**३क सम्पत्ति का विक्रय करने का करार**

विक्रय करने के करार के एक भाग का श्री .................... .................... उम्र लगभग .................... .................... वर्ष पुत्र ...................... .................... निवासी .................... .................... (इसमें इसके पश्चात विक्रेता कहा गया) तथा दूसरे भाग का श्री ......................... .................... उम्र लगभग .................... ............ वर्ष पुत्र ...... .................... निवासी ....................... .................... (इसमें इसके पश्चात् 'क्रेता' कहा गया) के बीच तारीख .................. .................... को किया गया।

यतः विक्रेता विक्रय करने का इच्छुक है और क्रेता सभी विल्लगमों, प्रभारों एवम धारणाधिकारो से स्वतंत्र .... .................... (......... रुपये मात्र) की एक रकम के लिए विक्रेता की होने वाली ................... .................... (इसकी अनुसूची में और विनिर्दिष्ट तौर पर वर्णित) के नगर में मोहल्ला ..................... में स्थित स्थल एवम् भूमि के साथ एक भवन का क्रय करने के लिए करार करने योग्य है।

जो कुछ भी;

**अब यह करार निम्नलिखित रूप में करार का साक्ष्य प्रस्तुत करता है -**

1. यह कि विक्रेता सभी विल्लगमों, प्रभारों एवम् धारणाधिकारों से स्वतंत्र विक्रय करेगा चाहे जो कुछ भी यथा नीचे आबद्ध किये गये ......................... के नगर में मोहल्ला में स्थित भूमि एवम् स्थल के साथ उसका रहायसी भवन हो और क्रेता कथित मूल्य एवम् शर्त पर उसी का क्रय करेगा।
2. यह कि यह करार विक्रेता अभिधृति पर क्रेता द्वारा किया गया है उसमें से वह कथित भवन, तथा एतदद्वारा अनुध्यात की गयी रीति से अंतरण करने के एक अस्तित्वशील अधिकार के साथ स्थल एवम् भूमि का पूर्ण स्वामी है और यह कि कथित सम्पत्ति किसी भी धन के संदाय के साथ किसी भी रीति से विल्लगम बनायी या प्रभारित नहीं है। ।
3. यह कि क्रेता ...................... रुपये (........................ रुपये मात्र) की एक रकम विक्रेता को इस करार के निष्पादन पर इस दिन संदाय किया है जो इस करार के प्रतिफल का गठन करता है और बकाये क्रय मूल्य का संदाय उसकी तारीख से एक-एक महीने की समाप्ति पर या उसके पहले लेकिन इसमें इसके पश्चात विद्यमान रहने वाली शर्तों के अध्यधीन रहते हुए किया जायेगा।
4. यह कि विक्रेता क्रेता के विधिक सलाह श्री ....................... .................... द्वारा संवीक्षा के विक्रय किया जाने के लिए आशयित सम्पत्ति का होने वाले सभी हक विलेखों को आज से एक सप्ताह के अन्दर पेश करूंगा और यदि कथित विधिक सलाहकार स्पष्ट हक नहीं प्राप्त करता है और अस्तित्वशील यह करार बेकार या निरर्थक होगा और आज क्रेता से विक्रेता द्वारा प्राप्त किये गये ......................... रुपये (.................... रुपये मात्र) के बराबर होने वाले इस करार का प्रतिफल चाहे जो कुछ हो और किसी विलम्ब के बिना, किन्हीं कटौतियों के बिना क्रेता को प्रतिदाय कर दिया जायेगा।
5. यह कि क्रेता के कथित विधिक सलाहकार द्वारा तैयार किये गये एक विक्रय विलेख अनुबन्धित कालावधि को या उसके पूर्व बकाया क्रय मूल्य को उपलब्ध कराने वाले क्रेता पर क्रेता की लागत पर विक्रेता द्वारा निष्पादित तथा रजिस्ट्रीकृत किया जायेगा। विक्रय विलेख माल एवम् विद्यमान हक तथा विल्लगमों इत्यादि से स्वतंत्रता के व्यावहारिक क्षतिपूर्ति खण्डों को अन्तर्विष्ट करेगा।
6. यह कि विक्रेता विक्रय विलेख के रजिस्ट्रीकरण के समय पर या उसके पूर्व निकटतम पूर्ण हुए वित्तीय वर्ष तक संपूर्ण संदाय को प्रदर्शित करने वाली सम्पत्ति की बाबत कर संदाय की नवीनतम रसीदों के साथ में सभी हक विलेखों को सौंपेगा।

जिसके साक्ष्य में कथित ...................... .................... विक्रेता एवम् कथित ...................... .................... क्रेता ने प्रथम ऊपर लिखित दिन एवम् वर्ष को इस करार पर हस्ताक्षर किया और इसका निष्पादन किया।

साक्षीगण

1. .................... विक्रेता
2. .................... क्रेता

**विक्रय की जाने वाली आशयित सम्पत्ति का वर्णन**

.................... .................... नगर...... .................... मोहल्ला में स्थित एवम् यथा नीचे आबद्ध किये गये स्थान एवम् भूमि तथा सीमा दीवार साथ में पूर्ण स्वामित्व भूमि पर निर्मित एक दोहरी मंजिला भवन -

पूरब : ....................

पश्चिम : ....................

उत्तर : ....................

दक्षिण : ....................

क्रेता विक्रेता